प्रपत्र 11

परियोजना का नाम	:–	जनपद रूद्रप्रयाग में प्रधानमत्री ग्रामीण सडक योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित स्नबैण्ड सन स्यूंण सतेराखालमोटर मार्ग (लम्बाई 2.000 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रस्तावित कार्य हेतु वन भूमि के मार्ग का पूर्ण औचित्य को दर्शाते हुए एक विस्तृत आख्या।

कनिष्ठ अभियन्ता
पी0एम0जी0एस0वाई0, सिचाई खण्ड,
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
पी0एम0जी0एस0वाई0, सिचाई खण्ड,
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
पी0एम0जी0एस0वाई0, सिचाई खण्ड,
रूद्रप्रयाग

प्रपत्र–12

विस्तृत आख्या

कार्य का नाम – पी0एम0जी0एस0वाई0 के अन्तर्गत सनबैण्ड से सन–स्यूण्ड–सतेराखाल मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 0.9580 है0 वनभूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु ग्राम्य विकास विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण।

पी0एम0जी0एस0वाई0 के अन्तर्गत सनबैण्ड से सन–स्यूण्ड–सतेराखाल मोटर मार्ग की लम्बाई 2.80 किमी0 है। यह मोटर मार्ग सनबैण्ड से प्रारम्भ होता है जिसके अन्तिम भाग में स्यूण्ड ग्राम का थाला तोक संयोजित होता है। उक्त मोटर मार्ग के निर्माण से जहां प्रत्यक्ष रूप से स्यूण्ड (जनसंख्या–333) एवं को लाभ मिलेगा वहीं अप्रत्यक्ष रूप से ग्राम सतेराखाल, सन, क्यार्क–नान्दला एवं दरम्वाडी ग्रामों को भी लाभ मिलेगा। इस प्रकार उक्त मोटर मार्ग का निम्न बिन्दुओं के सापेक्ष निर्माण किया जाना अति आवश्यक है।

9. <u>शिक्षा सुविधा –</u> उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों के बच्चों को उच्चतम शिक्षा हेतु रा0इ0का0 मालतोली आना पड़ता है। मालतोली स्कूल हेतु नौनिहालों को 4.00 किमी0 की पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। यदि मोटर मार्ग का निर्माण होता है तो बच्चों को स्कूल पहुंचने में आसानी होगी।
10. <u>स्वास्थ्य सुविधा –</u> उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लेने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सतेराखाल या जिला चिकित्सालय रूद्रप्रयाग आना पड़ता है। यदि मोटर मार्ग का निर्माण होता है तो क्षेत्रवासियों को आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त हो जायेगा।
11. <u>फॉयर क्रू सेन्टर –</u> वन विभाग का फॉयर क्रू सेन्टर शिवनन्दी सौड़ (कलना) में स्थापित हे फॉयर सीजन में जंगलों में आग लगने के कारण जंगल नष्ट हो जाते है एवं आग बुझाने हेतु उक्त जंगलों में पहुंच कठिन हो जाती है। यदि इस मोटर मार्ग का निर्माण किया जाता है तो पूरे क्षेत्र के जंगलों में भी आवागमन आसान हो जायेगा।
12. <u>घरेलू उत्पादों का आसान परिवहन</u> – उक्त क्षेत्रवासियों का आय का मुख्य साधन कृषि है। घरेलू उत्पाद जैसे– सब्जियां, दूध, फल आदि से कास्तकार अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। यदि मार्ग का निर्माण हो जाता है तो कास्तकार अपने उत्पादों को आसानी से बाजार में उचित मूल्य में बेच सकते हैं।
13. <u>राष्ट्रीय राजमार्ग–109 (हाईवे) का वैकल्पिक मार्ग</u> – यदि भविष्य में राष्ट्रीय राजमार्ग 109 रूद्रप्रयाग एवं तिलवाडा के बीच में बाधित होता है तो इस मार्ग से यातायात को डायवर्ट कर सतेराखाल तामिण्ड होते हुए तिलवाडा तक पहुंचा जा सकता है।
14. <u>संचार सेवा –</u> उक्त क्षेत्र का पोस्ट ऑफिस सतेराखाल में स्थित है अपने आवश्यक कार्यो हेतु ग्रामीणों को 4.00–5.00 किमी0 पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। यदि इस मोटर मार्ग का निर्माण किया जाता है तो क्षेत्रवासियों को पोस्ट ऑफिस सतेराखाल आने में आसानी होगी।
15. <u>पलायन रोकथाम</u> – उक्त क्षेत्र के कई ग्रामीण उपरोक्त कठिनाइयों को देखते हुए अपने बच्चों को लेकर रूद्रप्रयाग में प्रवास करते हैं। यदि मोटर मार्ग का निर्माण हो जाता है तो कई ग्रामीण उपने बच्चों सहित गांवों में वापस आ जायेंगे। जिससे क्षेत्र में पलायन भी रूक जायेगा।
16. <u>उच्च शिक्षा सुविधा–</u> वर्तमान में क्षेत्र वासियों के बच्चे इण्टरमीडिएट की पढ़ाई के उपरान्त उच्च शिक्षा हेतु रूद्रप्रयाग या श्रीनगर के उच्च संस्थानों में जाते है। जिससे उनके अभिभावकों को आर्थिक हानि होती है। यदि इस मार्ग का निर्माण किया जाता है तो रूद्रप्रयाग की कुल दूरी लगभग 10.00 किमी0 हो जायेगी।

JE

राजमिस्त्री
पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0
सि0 ख0, रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0
सि0 ख0, रूद्रप्रयाग